अरी मेरी अंसुवन भींगी साड़ी

अरी मेरी अंसुवन भींगी साड़ी आ जाओ कृष्णा मुरारी,
एक लुप्त सुता की विनती सुन लेना कृष्णा मुरारी,
अरे सब लोग हंसे दें दें ताली आ जाओ कृष्णा मुरारी,

वो भीष्म पिता बलशाली और पांचों पति निहारी,
अरे मोहे सभी में करत उधाडी,
आ जाओ कृष्णा मुरारी,

क्या भूल गये बनवारी जब उंगली कटीं तुम्हारी,
अरे मैंने फाड़ी रेशम की साड़ी,
आ जाओ कृष्णा मुरारी,

इतना सुनकर बनवारी और छोड़ी गरूड़ संवारी,
राधा पूछें रूक्मणी पूछें तुम कहां चले बनवारी
आ जाओ कृष्णा मुरारी.....

अरे वो ग्रे बनवारी आकर के चीर बड़ाई,
अरे वो हार गये बलशाली,
आ जाओ कृष्णा मुरारी....

शीला रधुवंशी ।।। और भजन के लिए संपर्क

Source:
https://www.bharattemples.com/ari-meri-aswan-bhigi-saadi-aa-jao-krishan-murari/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw